holding demonstrations and conducting campaigns to ensure that the public sector does not die for want of funds. Unfortunately, despite assurances having been given on the floor of the House by the Minister of Industry, the Minister of Labour and the Minister of Finance, the public sector industries in West Bengal are not getting funds to enable them to run these industries properly.

What I am saying is this. We are very much agitated on this issue. Therefore, this issue must be discussed here. Members should be given more time. The Ministers concerned should give replies. Unless that is done, it would be difficult. We are very, very agitated. Before we go back, the Government must come out with its stand. Otherwise, our workers would ask us: 'What has Parliament done?'. If there is no discussion on this matter, it would be very unfortunate.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Mr. Vice-Chairman, Sir, a very vital question regarding sickness in public sector units, which could be remedied, has been raised. The BIFR has become an albatross round the neck of Indian industry. So many matters have been referred, but the Government has done nothing. Therefore, would you kindly issue the necessary directive to the Government? Thank you, Sir.

**RE. REPORTED STATEMENT OF U.P. CHIEF MINISTER REGARDING ALLEGED INTERFERENCE BY UNION MINISTER OF STATE FOR HOME AFFAIRS IN U.P. ADMINISTRATION**

**डा० मुरली मनोहर जोशी** (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर मुझे सदन का, सरकार का और देश का भी ध्यान आकृष्ट करने का अवसर दिया है। कल उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री जी ने एक वक्तव्य के द्वारा एक बहुत ही गंभीर प्रश्न को इस सदन के समक्ष और देश के समक्ष रखा है, उन्होंने बताया है कि केन्द्रीय सरकार के गृह राज्य मंत्री महोदय उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगवाने के लिए अनेक प्रकार की साजिशें और षडयंत्र भरे कदम उठाते रहे हैं। उन्होंने मथुरा में इस प्रकार के जिससे वहां साम्प्रदायिक तनाव फैले, भड़काऊ भाषण दिये और यह चेष्टा की कि उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों को दबाया जाए। उनको दबा कर संविधान के 355वें अनुच्छेद के अन्तर्गत यह लिखवा लिया जाए कि मथुरा का प्रशासन केन्द्रीय सरकार को सौंप दिया जाए। मैं नहीं जानता कि 11 अगस्त को राज्य सरकार की सहमति के बिना गृह राज्य मंत्री को जो आन्तरिक सुरक्षा का भार संभाले है, वहां जाने की क्या आवश्यकता थी जब राज्य सरकार उनको मना कर रही है **(व्यवधान)**

**एक माननीय सदस्य:** दर्शन करने के लिए गये थे **(व्यवधान)**

**डा० मुरली मनोहर जोशी:** नहीं, दर्शन करने के लिए नहीं गये थे। उन्होंने इस प्रकार चेष्टा की, केन्द्रीय गृह मंत्रालय के प्रमुख गृह सचिव ने उत्तर प्रदेश के गृह सचिव को बुलाया, उत्तर प्रदेश के डायरेक्टर जनरल पुलिस को बुलाया और उन पर दबाव डाला। उनको एक ड्राफ्ट दिया और यह कहा कि वह ड्राफ्ट ले कर के जाएं और उस ड्राफ्ट पर मुख्य मंत्री कुमारी मायावती के हस्ताक्षर करवा कर लाएं कि मथुरा का प्रशासन उत्तर प्रदेश सरकार से हटा कर केन्द्रीय सरकार को दे दिया जाए। उन्होंने यह भी चेष्टा की कि सी०आर०पी०एफ० के अधिकारियों को कार्यकारी मजिस्ट्रेट के अधिकार दे दिये जाए जिससे वह मनमाने तौर पर जो चाहे कर सकें। इतना ही नहीं, उन्होंने 18 अगस्त को जन्म अष्टमी के दिन मथुरा में जाने की कोशिश की ताकि वहां उपद्रव करें। इसका सबूत यह है कि 17 अगस्त को सी०आर०पी०एफ० के करीब 60-70 जवान बिना वर्दी पहने हुए मथुरा के परिसर में गये। वहां सुरक्षा बल लगे हुए थे, वहां ईदगाह परिसर और कृष्ण जन्म भूमि परिसर में रेपिड ऐक्शन फोर्स लगी हुई थी। वहां इन जवानों ने जा कर यह कहा कि हमें घुसने दिया जाए। उन्हें मजिस्ट्रेट ने रोका तो उसके साथ उन्होंने अभद्र व्यवहार किया और यहां तक कहा कि हम देखते हैं कि आप इस ईदगाह मस्जिद को कैसे बचाएंगे। अर्थात् इसका मतलब यह है कि सी०आर०पी०एफ० के लोग वहां घुसे और उस जगह जा कर साम्प्रदायिक तनाव पैदा करें, तोड़-फोड़ करें और 18 तारीख की इस घटना के बाद यहां पर गृह राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को डिज़ाल्व करें।

राष्ट्रपति शासन वहां पर लागू करें। यह एक गहरा षडयंत्र है। ऐसा ही एक गहरा षडयंत्र ये मंत्री जी राजस्थान की सरकार को गिराने के लिए करते रहे हैं। मैं सदन का ध्यान आकर्षित करता रहा हूं...

**श्री सत्य प्रकाश मालवीय** (उत्तर प्रदेश): वे दोनों राज्यों से संबंधित हैं। यू॰पी॰ के रहने वाले हैं और वहां से लोक सभा में हैं।

**डा॰ मुरली मनोहर जोशी:** यह कह रहे हैं। कुछ उनकी साजिश यही थी कि उत्तर प्रदेश की ही नहीं बल्कि और चारों राज्य सरकारों को जहां भा॰ज॰पा॰ का शासन है उनको वे गिराए। मैं यह कहना चाहता हूं कि कल यह परिस्थिति हो सकती है कि गृह राज्य मंत्री जी कलकत्ता में जाएं और वहां के अधिकारियों पर दवाब डालें कि कलकत्ता का एडमिनिस्ट्रेशन केन्द्र सरकार को दे दें। परसों को ये जा सकते हैं हैदराबाद में और तेलुगु देशम के अधिकारियों और सरकार पर यह दबाव डाल सकते हैं कि हैदराबाद का प्रशासन हमारे हाथ में सौंप दें। संविधान का अनुच्छेद 355 इस प्रकार का अधिकार नहीं देता है। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि इसी संविधान के सातवें शिडयूल में है कि जो पिलिग्रिमेजेज है जो तीर्थ यात्राएं हैं देश के अंदर की उनमें राज्य सरकारों का अधिकार है। मथुरा में तीर्थ यात्रा हो रही थी, मथुरा के अंदर जो कुछ हो रहा था वह तीर्थ से संबंधित था—चाहे वह कृष्ण भूमि का दर्शन था चाहे वह जुमे की नमाज थी — उसमें केन्द्र सरकार का कोई अधिकार नहीं। हां, हज जाने के ऊपर पर पाकिस्तान में किसी मंदिर या गुरुदारे के दर्शन में जाने के ऊपर केन्द्र सरकार का अधिकार है।

मैं यह कहना चाहता हूं कि यह एक बहुत गहरा सवाल उठकर खड़ा हुआ है, केन्द्र और राज्यों के संबंधों का सवाल उठकर खड़ा हुआ है। केन्द्र सरकार की नीयत का सवाल खड़ा हो गया है। मैं आरोप लगा रहा हूं कि इस देश में केन्द्र सरकार उत्तर प्रदेश की सरकार को गिराने की कोशिश इसलिए कर रही है कि पहली बार एक दलित मुख्य मंत्री उत्तर प्रदेश की सरकार में महिला के रूप में बना है। इसलिए यह उस सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है, उस सरकार को हटाने की कोशिश कर रही है। ये साजिशें नाकामयाब की जानी चाहिए। मैं सारे देश को सावधान करना चाहता हूं कि केन्द्र की सरकार दंगे फैलाकर, हिन्दुस्तान के अंदर उपद्रव फैलाकर, अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही है। इसको रोका जाना चाहिए।

**सैयद सिब्ते रज़ी** (उत्तर प्रदेश): वाइस चेयरमैन साहब...

**डा॰ मुरली मनोहर जोशी:** मेरी मांग है कि गृह राज्य मंत्री जी का इस्तीफा लेना चाहिए। मैं इनसे मांग कर रहा हूं ...**(व्यवधान)**

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** उसके पहले परमिशन सिब्ते रजी को मिली हुई है। येस मिस्टर सिब्ते रज़ी ...**(व्यवधान)**

**SHRIMATI JAYANTHI NATRAJAN (Tamil Nadu):** He has got permission. What is this? Is this a democracy or not?

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI):** He has been permitted by the Chairman.

**डा॰ मुरली मनोहर जोशी:** आई एम हैप्पी यू आर एसोसिएटिंग। मुझे बहुत खुशी होगी अगर आप एसोसिएट करेंगे ...**(व्यवधान)**

**कई माननीय सदस्य:** क्या ये एसोसिएट कर रहे हैं?

**विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त):** मैं खाली यह जानना चाहता हूं कि सिब्ते रज़ी साहब से कि जो बोला गया है, जो कुछ डा॰ मुरली मनोहर जोशी की सबमिशन थी क्या अपने आपको उससे बाबस्ता करने के लिए खड़े हुए हैं? क्या मकसद है? मकसद बता दीजिए।

†[نیتا ورودھی دل (شری سکندر بخت): میں خالی یہ جاننا چاہتا ہوں کہ سبط رضی صاحب سے کہ جو بولا گیا ہے - جو کچھ ڈاکٹر مرلی منوہر جوشی کی سبمیشن تھی کیا اپنے آپکو اس سے وابستہ کرنے کیلئے کھڑے ہوئے ہیں - کیا مقصد ہے - مقصد بتا دیجئے]

†[ ] Transliterationin Arabic Script.

(व्यवधान)

सैयद सिब्ते रज़ी वाइस चेयरमैन साहब "यह दस्तूरे जुबाबंदी है कैसी तेरी महफिल में, यहां तो बात करने को तरसती है जुबां मेरी"··· (व्यवधान)

†[سید سبط رضی (اتر پردیش): وائس چیرمین صاحب "یہ دستور زبان بندی ہے کیسا تری محفل میں۔ یہاں تو بات کرنے کو ترستی ہے۔ زباں میری"۔۔ "مداخلت"]

श्री सिकन्दर बख्तः मैं क्या कहूं (व्यवधान) तुम तो सिर से पांव तक जंजीरों में बंधे हुए हो।

†[شری سکندر بخت: میں کیا کہوں... ..."مداخلت"... تم تو سر سے پاؤں تک زنجیروں میں بندھے ہوئے ہو۔]

सैयद सिब्ते रज़ीः आप मेरे बुजुर्ग हैं मैं कुछ कहना नहीं चाहूंगा इस सिलसिले में। अभी जोशी जी ने, वाइस चेयरमैन साहब, यहां पर कुछ ऐसे सवाल उठाए और यकीनी तौर पर जिस वक्तव्य का तसकिरा किया, यह हमारी परंपरा रही है कि ऐसे स्टेट्स की असेम्बलीज में जो वक्तव्य दिए जाते हैं साधारणतयाः उनके ऊपर हम अपने सदन में बहस नहीं करते हैं। लेकिन जोशी जी काफी सीनियर हैं ..(व्यवधान)

†[سید سبط رضی: آپ میرے بزرگ ہیں میں کچھ کہنا نہیں چاہونگا اس سلسلہ میں۔ ابھی جوشی جی نے۔ وائس چیرمین صاحب یہاں پر کچھ ایسے سوال اٹھائے اور یقینی طور پر جس وکتویہ کا تذکرہ کیا۔ یہ ہماری پرمپرا رہی ہے کہ ایسے اسٹیٹس کی اسمبلیز میں جو وکتویہ دیئے جاتے ہیں سادھارنتیہ انکے اوپر ہم اپنے سدن میں بحث نہیں کرتے ہیں۔ لیکن جوشی جی کافی سینئر ہیں... ..."مداخلت"...]

डा० मुरली मनोहर जोशीः यह अखबारों में छपा है।

सैयद सिब्ते रज़ीः जी हां, अखबारों में छपा है तभी मैं उसकी आपरचूनिटी ले रहा हूं।

†[سید سبط رضی: جی ہاں اخباروں میں چھپا ہے تبھی میں اسکی اپورچونٹی لے رہا ہوں]

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश): आप तमिलनाडु सरकार की असेम्बली की बातें कर चुके हैं ..(व्यवधान)

सैयद सिब्ते रज़ीः वे हमारे बड़े सीनियर लीडर हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से उनका बड़ा आदर करता हूं। सीनियर राजनीतिज्ञ तो हैं ही। प्रेम में तो सुनते आए थे कि सब कुछ हो सकता है। लेकिन राजनीतिक प्रेम में यदि ऐसा स्तर आ जाए कि जोशी जी ऐसे विद्वान, हमारे सीनियर सदस्य यहां पर ऐसे सवालात उठाएं, जो संविधान से संबंधित सवालात है।

अब जो स्टेटमेंट की बात आपने कही है, उसमें हमारे मुख्य मंत्री ने कहा कि ..(व्यवधान)

†[سید سبط رضی: وہ ہمارے سینئر لیڈر ہیں۔ میں ویکتی گت روپ سے انکا بڑا آدر کرتا ہوں۔ سینئر راجنیتگیہ تو ہیں ہی۔ پریم میں تو سنتے آئے تھے کہ

†[ ]Transliteration in Arabic Script

†[شری سکندر بخت : میں صدر صاحب۔ صرف یہ جاننا چاہتا ہوں۔]

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): Let him finish.

**श्री सिकन्दर बख्त:** मैं सदर साहब, सिर्फ यह जानना चाहता हूं कि क्या सिब्ते रज़ी साहब वाबस्ता कर रहे हैं अपने आपको जो कि जोशी जी ने कहा है या सरकार की सफाई में कुछ कहना चाहते हैं? इसके तरीके को दुरुस्त करिए। यह हाउस के कारोबार को, कारोबार के तरीके को मानें। ...**(व्यवधान)**

†[شری سکندر بخت : میں صدر صاحب مرف یہ جاننا چاہتا ہوں کہ کیا سبط رضی صاحب وابستہ کر رہے ہیں اپنے آپکو جو کہ جوشی جی نے کہا ہے یا سرکار کی صفائی میں کچھ کہنا چاہتے ہیں۔ اسکے طریقے کو درست کیجئے۔ یہ ہاؤس کے کاروبار کو۔ کاروبار کے طریقے کو مانیں۔]

**सैयद सिब्ते रज़ी:** माननीय उपसभाध्यक्ष जी ...**(व्यवधान)**

†[سید سبط رضی : مانیئے اب سمجھا ادھیکشی جی۔ ...''مداخلت''...]

**श्री सिकन्दर बख्त:** नहीं, वह मालूम होना चाहिए।

†[شری سکندر بخت : نہیں۔ وہ معلوم ہونا چاہیئے۔ ...''مداخلت''...]

**सैयद सिब्ते रज़ी:** माननीय उपसभाध्यक्ष जी, यदि आप मुझे मौका दें तो मैं बताऊं कि किस हैसियत से मैं बोल रहा हूं। ...**(व्यवधान)**

सब کچھ ہو سکتا ہے۔ لیکن راج نیتک پریم میں یدی ایسا استر آجائے کہ جوشی جی ایسے ودوان۔ ہمارے سینئر سدسیہ یہاں پر ایسے سوالات اٹھائیں۔ جو سنتوش موہن سے سمبندھت ہیں۔

اب جو اسٹیٹمنٹ کی بات آپنے کہی ہے۔ اسمیں ہمارے ملکھیہ منتری نے کہا ہے کہ ...''مداخلت''...]

**श्री सिकन्दर बख्त:** अब मैं बैठूं या क्या करूं। मैं सिर्फ यह पूछना चाहता हूं कि सिब्ते रज़ी साहब किस हैसियत से बोल रहे हैं ..**(व्यवधान)**

†[شری سکندر بخت : اب میں بیٹھوں یا کیا کروں۔ میں صرف یہ پوچھنا چاہتا ہوں کہ سبط رضی صاحب کس حیثیت سے بول رہے ہیں۔ ...''مداخلت''...]

**सैयद सिब्ते रज़ी:** मैं पार्लियामेंट के एक सदस्य की हैसियत से बोल रहा हूं ..**(व्यवधान)**

†[سید سبط رضی : میں پارلیمنٹ کے ایک سدسیہ کی حیثیت سے بول رہا ہوں ...''مداخلت''...]

**डा० मुरली मनोहर जोशी:** हमको यह बताया जाए कि जो बातें उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री ने कही है वे सच है या असत्य हैं।

**श्री सिकन्दर बख्त:** मैं सदर साहब, सिर्फ यह जानना चाहता हूं। **(व्यवधान)**

†[ ]Transliteration in Arabic Script

†[سید سبط رضی: مانیئے اپ سبھا ادھیکش مہودے جی - یدی آپ مجھے موقع دیں تو میں بتاؤں کس حیثیت سے بول رہا ہوں -

**श्री सिकंदर बख्तः** मैं यह जानना चाहता हूं कि मुझे बता तो दीजिए कि किस हैसियत से उन्हें खड़ा किया गया है?

†[شری سکندر بخت: میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ مجھے بتا دیجئے کہ کس حیثیت سے انہیں کھڑا کیا گیا ہے ]

**सैयद सिब्ते रज़ीः** बता तो रहे हैं। ....**(व्यवधान)** वाइस चेयरमैन साहब, अभी माननीय हमारे विपक्ष के नेता जी ने ....**(व्यवधान)**

†[سید سبط رضی: بتا تو رہے ہیں - ..."مداخلت"... وائس چیئرمین صاحب ابھی مانیئے ہمارے ویپکش کے نیتا جی نے - ..."مداخلت"...]

**श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश):** यह लोक सभा में कायदा है रूल 377 के तहत जो आदमी लोक सभा के अंदर बोलना चाहता है उसे पहले लिखकर देना पड़ता है। राज्य सभा में यह कायदा नहीं है। ...**(व्यवधान)**

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** उन्होंने दिया है।

**श्री सत्य प्रकाश मालवीयः** तो कोई मैम्बर क्या बोलना चाहता है पहले से कैसे बताए। ...**(व्यवधान)**

**श्री सिकन्दर बख्तः** मालूम तो होना चाहिए, मुझे तो बता दीजिए।

†[شری سکندر بخت: معلوم تو ہونا چاہیئے - مجھے تو بتا دیجئے -]

**श्री सत्य प्रकाश मालवीयः** यह कोई जरूरी नहीं है। ....**(व्यवधान)**

**श्री सिकन्दर बख्तः** मैं रूकावट नहीं डालूंगा, सदर साहब से यह जानना चाहता हूं कि यह क्या कर रहे हैं। ....**(व्यवधान)**

†[شری سکندر بخت: میں رکاوٹ نہیں ڈالونگا - صدر صاحب سے یہ جاننا چاہتا ہوں کہ یہ کیا کر رہے ہیں - ..."مداخلت"...]

**सैयद सिब्ते रज़ीः** देखिए, आपने बड़ा टैक्नीकल सवाल उठाया है। ...**(व्यवधान)** प्रतिपक्ष के नेता महोदय, मुझे मौका दीजिए जो आपने सवाल उठाया उसका जवाब दूं। ....**(व्यवधान)** मैंने एक लिखित अनुज्ञा जो है माननीया डिप्टी चेयरमैन साहिबा से हासिल की है। ....**(व्यवधान)** अफज़ल साहब, मेरी बात खत्म हो जाने दीजिए। ....**(व्यवधान)**

†[سید سبط رضی: دیکھئے - آپ نے بڑا ٹیکنیکل سوال اٹھایا ہے - ..."مداخلت"... پرتی پکش کے نیتا مہودے - مجھے موقع دیجئے - جو آپنے سوال اٹھایا ہے اسکا جواب دوں - ..."مداخلت"... میں نے لکھت انوگیا جو ہے مانیہ ڈپٹی چیئرمین صاحبہ سے حاصل کی ہے - ..."مداخلت"... افضل صاحب میری بات ختم ہونے دیجئے ..."مداخلت"...]

†[ ]Transliteration in Arabic Script

**SHRI SURINDER KUMAR SINGLA** (Punjab): Let him exercise his right to speak. He is speaking as a Member of this House.

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** सुनिए तो पहले। ....(व्यवधान)

**श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफज़ल** (उत्तर प्रदेश): सिकन्दर बख्त साहब ने बिल्कुल सही बात उठाई है। पर जब यहां रूल्ज़ के तहत हाउस चलता है तो किसी मैम्बर को रूल्ज़ के तहत रोक दिया जाए और किसी को एलाउ कर दिया जाए और यह बात बिल्कुल सही है और यह उसूल की बात है। अब ज़ीरो आवर में या स्पेशल मेंशन में कोई आदमी मसला उठाता है तो दूसरे मैम्बरान उसके साथ एसोसिएट कर सकते हैं और अगर वह डिस-एसोसिएट कर रहे हैं तो आप उन्हें अलग से परमिशन दीजिए। इसके लिए यह तरीका गलत है। मैं समझता हूं कि यह बुनियादी तौर पर गलत बात है। ...(व्यवधान)

†[شری محمد افضل عرف م۔ افضل (اتر پردیش): سکندر بخت صاحب نے بالکل صحیح بات اٹھائی ہے۔ پر جب یہاں رولز کے تحت ہاؤس چلتا ہے تو کسی ممبر کو رولز کے تحت روک دیا جائے اور کسی کو الاؤ کر دیا جائے اور یہ بات بالکل صحیح ہے اور یہ اصول کی بات ہے۔ اب "زیرو آور" میں یا اسپیشل مینشن میں کوئی آدمی مسئلہ اٹھاتا ہے تو دوسرے ممبران اسکے ساتھ ایسوسیئیٹ کر سکتے ہیں اور اگر وہ ڈس ایسوسیئیٹ کر رہے ہیں تو آپ انہیں الگ سے پرمیشن دیجئے۔ اسکے لئے یہ طریقہ غلط ہے۔ میں سمجھتا ہوں کہ یہ بنیادی طور پر غلط بات ہے۔۔۔"مداخلت"]

†[ ]Transliteration in Arabic Script

**सैयद सिब्ते रज़ी:** अफज़ल साहब ....(व्यवधान)

†[سید سبط رضی: افضل صاحب "مداخلت"]

**SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL:** If he has got permission, there is no problem, but it is being said that he has not been given permission.

**SYED SIBTEY RAZI:** I am competent enough to reply to the hon. Leader of the Opposition.

मान्यवर, मैंने ....(व्यवधान)

†[مانیور، میں نے۔۔۔"مداخلت"۔۔۔]

**श्री सिकन्दर बख्त:** मैं कोई एतराज नहीं कर रहा हूं। मैं तो सदर साहब से पूछ रहा हूं कि इसका अलाहिदा से कोई मेंशन है या वाबस्ता कर रहे हैं, क्या है, यह तो बता दीजिए? ....(व्यवधान)

†[شری سکندر بخت: میں کوئی اعتراض نہیں کر رہا ہوں۔ میں تو صدر صاحب سے پوچھ رہا ہوں کہ اسکا علیحدہ کوئی مینشن ہے یا وابستہ کر رہے ہیں۔ کیا ہے۔ یہ بتا دیجئے۔۔۔"مداخلت"۔۔۔]

**सैयद सिब्ते रज़ी:** मैं वही जवाब देने जा रहा हूं। मुझे आप कहने नहीं दे रहे हैं। ....(व्यवधान)

†[سید سبط رضی: میں وہی جواب دینے جا رہا ہوں۔ مجھے آپ کہنے نہیں دے رہے ہیں۔۔۔"مداخلت"۔۔۔]

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** चलिए, बोलिए।

**सैयद सिब्ते रज़ी:** मैं लिखा है आनरेबल डिप्टी चेयरमैन ....(व्यवधान) मि॰ भंडारी, प्लीज।

†[سید سبط رضی: میں نے لکھا ہے آنریبل ڈپٹی چیئرمین... "مداخلت"... منسٹر بھنڈاری پلیز۔]

Mr. Bhandari, Please bear with me. I am reading the permission.

**SHRI SIKANDER BAKHT:** If permission has been given to him. I have no objection.

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** यू०पी० के इस सिलसिले में चीफ मिनिस्टर के इस बयान के सिलसिले में उन्होंने ज़ीरो आवर में इस मैटर को रेज़ करने की अनुमति चेयरमैन साहब से चाही थी और वह अनुमति उन्हें मिली हुई है। .....(व्यवधान)

**श्री सिकन्दर बख्तः** अच्छा, अगर परमशिन है ....(व्यवधान)

†[شری سکندر بخت: اچھا اگر پرمیشن ہے۔... "مداخلت"...]

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** जी हां।

**श्री सिकन्दर बख्तः** तो मुझे एक दूसरी बात कहनी है। सदर साहब, बात यह है कि जो डा० जोशी ने सवाल उठाया है वह सवाल खत्म नहीं हुआ। ...(व्यवधान) क्या आपने यह देख लिया है, क्योंकि मिनिस्टर साहब उसका जवाब देने के लिए खड़े हो रहे थे। हमें कोई एतराज नहीं है वह जवाब दें।...(व्यवधान)

†[شری سکندر بخت: تو مجھے ایک دوسری بات کہنی ہے۔ صدر صاحب - بات یہ ہے کہ جو ڈاکٹر جوشی نے سوال اٹھایا ہے۔ وہ سوال ختم نہیں ہوا ہے۔... "مداخلت" کیا آپنے یہ دیکھ لیا ہے کیونکہ منسٹر صاحب اسکا جواب دینے کیلئے کھڑے ہو رہے تھے۔ ہمیں کوئی اعتراض نہیں ہے وہ جواب دیں۔... "مداخلت"...]

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** इसके बाद जवाब देगें।

**श्री सिकन्दर बख्तः** नहीं, एक दूसरा इस्यू बीच में है।...(व्यवधान)

†[شری سکندر بخت: نہیں ایک دوسرا اشیو بیچ میں ہے۔... "مداخلت"...]

**डा० मुरली मनोहर जोशीः** गृह मंत्री महोदय से मैं अनुरोध कर रहा हूं कि वह रिएक्ट करें।...(व्यवधान)

**श्री सिकन्दर बख्तः** सिब्ते रज़ी साहब की तकरीर हो मुझे कोई एतराज नहीं है। उसका तरतीब दुरुस्त कर लें। ...(व्यवधान)

†[شری سکندر بخت: سبط رضی صاحب کی تقریر ہو مجھے کوئی اعتراض نہیں ہے۔ اسکا ترتیب درست کر لیں۔... "مداخلت"]

**सैयद सिब्ते रज़ीः** बहुत-बहुत धन्यवाद।

†[سید سبط رضی: بہت بہت دھنیواد۔]

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** बोलिए, सिब्ते साहब।...(व्यवधान)

†[ ]Transliteration in Arabic Script

**श्री सिकन्दर बख्तः** नहीं, सदर साहब, रेगुलेट कर दीजिए, प्लीज़, या तो एक इंडीपेंडेंट मेम्बर को इजाजत दें या... **(व्यवधान)**

†[شری سکندر بخت: نہیں صدر صاحب - ریگولیٹ کر دیجئے - پلیز یا تو ایک انڈیپینڈنٹ ممبر کو اجازت دیں یا ... "مداخلت" ...]

SYED SIBTEY RAZI: I am not Independent Member of this House. I am a member of the Congress Party.

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** सिब्ते रज़ी साहब को चेयरमैन साहब से... **(व्यवधान)**

**सैयद सिब्ते रज़ीः** मैं इस महान सदन के साधारण सदस्य की हैसियत से बोल रहा हूं।

†[سید سبط رضی: میں اس مہان سدن کے سادھارن سدسیہ کی حیثیت سے بول رہا ہوں]

**श्री सिकन्दर बख्तः** बोलिए, कोई एतराज नहीं है।...व्यवधान)

†[شری سکندر بخت: بولئے کوئی اعتراض نہیں ہے ... "مداخلت" ...]

**एक माननीय सदस्यः** अफज़ल साहब ने प्वायंट आफ् आर्डर उठाया है ...**(व्यवधान)**

**श्री सिकन्दर बख्तः** सब से बड़ी बात यह है कि मिनिस्टर साहब ...**(व्यवधान)**

†[شری سکندر بخت: سب سے بڑی بات یہ ہے کہ منسٹر صاحب "مداخلت"]

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** इसी सब्जेक्ट पर सिब्ते रज़ी साहब ने चेयरमैन साहब को सैपरेट नोटिस दिया था और उनसे अनुमति चाही थी इस मुद्दे को जीरो आवर में उठाने की कि उन्हें अनुमति प्रदान की जाए जो उन्हें अनुमति प्रदान की गई है। ...**(व्यवधान)**

†[ ]Transliteration in Arabic Script

**डा० मुरली मनोहर जोशीः** अगर मेरा प्रश्न अलग है और इनका प्रश्न अलग है तो पहले मेरी बात का समाधान हो जाए। गृह मंत्री जो यहां बैठे हुए हैं। ...**(व्यवधान)**

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** देखिए, आपके इस संबंध में ही सिब्ते रज़ी साहब का भी मैटर है इसलिए उन्हें इस पर इजाजत मिली हुई है। इस पर दोनों के मन्तव्यों को शामिल करते हुए... **(व्यवधान)**

**डा० मुरली मनोहर जोशीः** वह शामिल नहीं हो सकता।

**श्री सिकन्दर बख्तः** शामिल नहीं हो सकता।

†[شری سکندر بخت: شامل نہیں ہو سکتا]

**डा० मुरली मनोहर जोशीः** देखिए, पहला प्रश्न मेरा है।...(व्यवधान)

**वह अलग इश्यू है, वह इश्यू उठाएं मेरे बाद।**

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** वह भी लगभग उन्हीं से संबंधित है।

**डा० मुरली मनोहर जोशीः** लगभग नहीं हो सकता, पूरे तौर पर संबंधित हो, मगर प्रश्न यह नहीं है... **(व्यवधान)**

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I have allowed him. Please.**

**सैयद सिब्ते रज़ीः उपसभाध्यक्ष महोदय, अभी-अभी इस सदन के अंदर आसाम के इश्यू के ऊपर कई मेम्बरों ने इधर-उधर से बोला और जब सारे सदस्य अपने विचार व्यक्त कर चुके, उस के बाद माननीय मंत्री जी ने उस के ऊपर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की...(व्यवधान)...**

**श्री राजनाथ सिंहः उपसभाध्यक्ष महोदय, ... (व्यवधान)... आप ने इजाजत कैसे दी? उपसभाध्यक्ष महोदय...(व्यवधान)**

**SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN** (Tamil Nadu): Mr. Vice-Chairman, Sir, it is a separate notice on the same issue. Mr. Sibtey Razi does not have to have the BJP opinion.

**DR. MURLI MANOHAR JOSHI: Yes. That is why** we say it should be **done separately....** *(Interruptions)* यही हम **कह रहे है। पहले हमारे** सवाल का जवाब हो जाना

चाहिए। उपसभाध्यक्ष महोदया, अगर कुछ लोग मेरे साथ एसोसिएट करना चाहते हैं, मेरे प्रश्न के समर्थन में कुछ कहना चाहते हैं तो उन को पहले अवसर आप दें और यदि वे कोई दूसरा इश्यू उठाना चाहते हैं, तो उस एसोसिएशन पर ...(व्यवधान)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I have already called Razi Sahib. He has been given permission by the Chairman. *(Interruptions)*

**श्री सिकन्दर बख्त:** सदर साहब, सीधी-सी बात यह है कि हम इस वक्त इस मुश्किल में पड़ गए हैं कि हम सदर साहब जो कुछ कहेंगे, उस के खिलाफ एतराज नहीं करना चाहते। डा० जोशी ने जो सवाल उठाया है, हमारी नजर में वह बेहद काबिले एतराज है। हम उस काबिले एतराज सवाल को लेकर अगर मिनिस्टर साहब की रिएक्शन आती है ...(व्यवधान)...

†[شری سکندر بخت: صدر صاحب - سیدھی سیدھی بات یہ ہے کہ ہم اس وقت اس مشکل میں پڑ گئے ہیں کہ ہم صدر صاحب جو کچھ کہیں گے اسکے خلاف اعتراض نہیں کرنا چاہتے ڈاکٹر جوشی نے جو سوال اٹھایا ہے ہماری نظر میں وہ بیحد قابل اعتراض ہے - ہم اس قابل اعتراض سوال کو لیکر اگر منسٹر صاحب کی "ری ایکشن" آتی ہے ... "مداخلت" ...]

SYED SIBTEY RAZI: Sir, I think I am not getting your protection.

**श्री सिकन्दर बख्त:** हम रिएक्शन के जवाब पर we want to walk out on this issue.

...(व्यवधान)... देखिए, आप बीच में न बोलिए मेहरबानी से, सदर साहब, यह तरीका जो उत्तर प्रदेश के सिलसिले में मदाखलत करने की कोशिश की है, हम सख्त-तरीन मजम्मत करते है उसकी और हम यह कहना चाहते हैं कि राजेश पायलट साहब का इस मामले में हस्तक्षेप कर के और वहां गड़बड़ी पैदा करने का जो इरादा था, उस की सख्त-तरीन मजम्मत करते हैं और हम एतराज के तौर पर यह कहते हुए कि राजेश पायलट साहब का इस्तीफा मिलना चाहिए इस सरकार को हम वाक-आउट करते हैं इस पर।

†[شری سکندر بخت: ہم ری ایکشن کے جواب پر "وی وانٹ ٹو واک آؤٹ آن دس ایشو" ... "مداخلت" ... دیکھئے آپ بیچ میں نہ بولئے مہربانی سے - صدر صاحب یہ طریقہ جو اتر پردیش میں کے سلسلے میں مداخلت کرنے کی کوشش کی ہے - ہم سخت ترین مذمت کرتے ہیں اسکی اور ہم یہ کہنا چاہتے ہیں کہ راجیش پائلٹ صاحب کا اس معاملہ میں مداخلت کرکے اور وہاں گڑبڑی کرنا کا جو ارادہ تھا اسکی سخت ترین مذمت کرتے ہیں اور ہم اعتراض کے طور پر کہتے ہوئے کہ راجیش پائلٹ صاحب کا استعفیٰ ملنا چاہیئے اس سرکار کو - ہم واک آؤٹ کرتے ہیں اس پر -]

We want to walk out on this issue.

(At this stage, some hon. Members left the Chamber.)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAJESH PILOT): Mr. Vice-Chairman, Sir, they must listen to the facts. They should not walk out. Sit down here. Don't go away. Listen to us. Don't do this *(Interruptions)*. We had seen it in 1992 and we shall not see this again in our country. Please stay and listen to us. What had you been talking and what had your leaders been talking?

†[ ]Transliteration in Arabic Script

"अयोध्या लिया लटके से, मथुरा लेंगे झटके से।"

यह देश झटका सहन नहीं कर सकता। आप जा कहां रहे हो, यहां सुनो। बैठो दो मिनिट, जोशी जी। आओ-आओ वापिस आ जाओ, झटका यहां सुनकर जाओ। हम बताएंगे आप कैसे झटका दोगे?

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA: Mr. Vice-Chairman, Sir, I would like to say that they were walking out from their responsibility. We should never trust the BJP.

सैयद सिब्ते रज़ी: उपसभाध्यक्ष महोदय, मुझे बहुत दुख है कि प्रतिपक्ष के नेता...

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: भा०ज०पा० के।

सैयद सिब्ते रज़ी: खास तौर पर भा०ज०पा० ने जिस तरह का प्रदर्शन आज सदन में किया है, वह बड़ा ही अशोभनीय है। मैं समझता हूं कि हमारे जो लोकतांत्रिक मूल्य हैं, उस के खिलाफ है। महोदय, अभी यहां जो स्टेटमेंट की बात हुई, उस में यह कहा गया था कि 11 अगस्त को श्री राजेश पायलट जी ने उत्तर प्रदेश का जो दौरा किया, वह बिल्कुल अन-शेड्यूल्ड था। इस के लिए कोई आज्ञा नहीं ली गयी थी, कोई इजाजत नहीं ली गयी थी। एक माननीय सदस्य ने जो यहां सवाल उठाया, वह बड़े ही गंभीर और सीनियर सदस्य है, मुझे ताज्जुब हुआ कि क्या उन्होंने उत्तर प्रदेश को भारत के नक्शे से निकाल दिया है या निकाल देने की कोई तैयारी कर रहे हैं?

महोदय, अगर कांस्टीयूशन के पार्ट-1 में देखा जाय तो उस में स्पष्ट लिखा हुआ है —

†[سید سبط رضی (اتر پردیش): اپ ادھیکش مہودے۔ مجھے بہت دکھ ہے کہ "پرتی پکش" کے نیتا ...

شری ستیہ پرکاش مالویہ: بھاجپا کے۔

سید سبط رضی: خاص طور پر بھارتیہ جنتا پارٹی نے جس طرح کا پردرشن آج سدن میں کیا ہے وہ بڑا ہی "اشوبھنیہ" ہے۔ میں سمجھتا ہوں کہ ہمارے جو "لوکتانترک مولیہ" ہیں اس کے خلاف ہے۔

مہودے، ابھی یہاں جو اسٹیٹمنٹ کی بات ہوئی اس میں یہ کہا گیا تھا کہ ۱۱ اگست کو شری راجیش پائلٹ جی نے اتر پردیش کا جو دورہ کیا وہ بالکل "ان شیڈیولڈ" تھا۔ اس کے لئے کوئی "آگیا" نہیں لی گئی تھی۔ کوئی اجازت نہیں لی گئی تھی۔ ایک مانیئے سدسیہ نے جو یہاں سوال اٹھایا وہ بڑے ہی گمبھیر اور سینئر سدسیہ ہیں۔ مجھے تعجب ہوا کہ کیا انہوں نے اتر پردیش کو بھارت کے نقشے سے نکال دیا ہے۔ یا نکال دینے کی کوئی تیاری کر رہے ہیں۔

مہودے۔ اگر "کانسٹی ٹیوشن" کے پارٹ ایک میں دیکھا جائے تو اس میں سپشٹ لکھا ہوا ہے ....]

" 1. Name and territory of the Union—(1) India, that is Bharat, shall be a Union of States.

2. The States and the territories thereof shall be as specified in the First Schedule.

3. The territory of India shall comprise—

a) the territories of the States;
b) The Union territories specified in the First Schedule; and
c) such other territories as may be acquiared."

उत्तर प्रदेश, हमारा जो संघीय राज्य है, उसका एक हिस्सा है और यह यूनियन टेरिटरि के अंदर ही आता है।

†[ ]Transliteration in Arabic Script

इसलिए गृहमंत्री जी अपने दायित्व को पूरा करने के लिए देश के किसी भी प्रदेश में जा सकते हैं। ...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष महोदय, मुझे दस, पांच मिनट आप दीजिए, प्लीज। कोई भी मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश का ही नही, किसी भी प्रदेश का मुख्यमंत्री, मैं समझता हूं कि इस तरह की छिछली और बहुत ही हल्की बात नहीं करेगा। इसके अलावा जो अभी यहां पर 355 का सवाल उठाया गया, यह 355 बड़ा ही स्पष्ट है। चूंकि कहा गया है कि सरकार जो भी वह जबरदस्ती उनसे कुछ ऐसा कराना चाहती थी। मैं गवर्नमेंट की तरफ से नहीं कह रहा, लेकिन एक कांग्रेस पार्टी के मैम्बर की हैसियत से, इस सदन के मैम्बर की हैसियत से कहना चाहता हूं कि हमने संविधान की शपथ खाई है और इसलिए संविधान की अवहलेना अगर देश के अंदर कहीं भी होगी तो उसके खिलाफ हम आवाज उठाएंगे।

महोदय, 355 में कहा गया है—

"It shall be the duty of the Union to protect every State against external aggression and internal disturbance and to ensure that the Government of every State is carried on in accordance with the provisions of this Constitution."

†[شری سبط رضی "جاری": اتر پردیش جو ہمارا سنگھیئے راجیہ ہے اسکا ایک حصہ ہے اور یہ "یونین ٹیریٹری" کے اندر ہی آتا ہے۔ اسلئے گرہ منتری جی اپنے دائتو کو پورا کرنے کیلئے دیش کے کسی بھی پردیش میں جا سکتے ہیں۔ ... "مداخلت" ...

اپ ادھیکش مہودے۔ مجھے دس پانچ منٹ آپ دیجئے پلیز۔ کوئی بھی مکھیہ منتری اتر پردیش کا ہی نہیں۔ کسی بھی پردیش کا مکھیہ منتری۔ میں سمجھتا ہوں کہ اس طرح کی چھچھلی اور بہت ہی ہلکی بات نہیں کرے گا۔ اسکے علاوہ جو ابھی یہاں پر 355 کا سوال اٹھایا گیا ہے۔ یہ 355 بڑا ہی سپشٹ ہے۔ چونکہ کہا گیا ہے کہ سرکار جو بھی وہ زبردستی انسے کچھ ایسا کرانا چاہتی تھی۔ میں گورنمنٹ کی طرف سے نہیں کہہ رہا ہوں۔ لیکن ایک کانگریس پارٹی کے ممبر کی حیثیت سے اس سدن کے ممبر کی حیثیت سے کہنا چاہتا ہوں کہ ہم نے سمودھان کی سپتھ کھائی ہے اور اسلئے ہم سمودھان کی "اوہیلنا" اگر دیش کے اندر کہیں بھی ہوگی تو اسکے خلاف ہم آواز اٹھائنگے۔

مہودے۔ 355 میں کہا گیا ہے:-]

"It shall be the duty of the Union to protect every State against external aggression and internal disturbance and to ensure that the Government of every State is carried on in accordance with the provisions of this Constitution."

तो अगर अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करने के लिए गृह राज्यमंत्री या गृहमंत्री उत्तर प्रदेश जाते हैं या कोई दूसरे मंत्री जाते हैं तो उसमें क्या आपत्ति हो गई? कल दिन भर आपने सदन नहीं चलने दिया और बार बार आप कह रहे थे कि प्रधानमंत्री वहां जाएं, प्रधानमंत्री को वहां जाना चाहिए। अब पहले प्रधानमंत्री आपसे इजाजत लेंगे क्योंकि स्टेट गवर्नमेंट की मुख्यमंत्री ने कहा है कि हमसे बगैर इजाजत लिए 11 अगस्त को इन्होंने मथुरा में विजिट कर लिया। यह क्या हो रहा है? यह कौनसे हलके के लोग आ गए हैं? या तो आपकी जो सोहबत

†[ ]Transliteration in Arabic Script

है वह उनको खराब कर रही है या फिर उनकी सोहबत आपको खराब कर रही है। यही चीजें हो सकती हैं, कि आप ऐसी छिछली बात करें। ...(व्यवधान)...

महोदय, मैं जानना चाहूंगा कि 6 दिसंबर, 1992 के हादसे के बाद क्या केन्द्रीय सरकार फिर धोखा खाए? एक बार हमने धोखा खाया है, संविधान की हम रक्षा नहीं कर सके हैं, लेकिन दुबारा हम धोखा नहीं खाएंगे। इस देश के अंदर कोई भी इबादतगाह हो, कोई भी पवित्र स्थल हो, उसके लिए किसी भी तरह का षडयंत्र रचा जाय या इस देश को खंडित करने का षडयंत्र रचा जाए, सांप्रदायिकता के नाम पर, जाति के नाम पर, धर्म के नाम पर, रंग के नाम पर, नस्ल के नाम पर, छोटी जाति के नाम पर, बड़ी जाति के नाम पर, उसे केन्द्रीय सरकार, हमारी केन्द्रीय सरकार जब तक सत्ता में रहेगी, हम कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम इस देश के अंदर हर उस इमारत को बचाएंगे, जो किसी भी फिरके से ताल्लुक रखती हो, किसी संप्रदाय से ताल्लुक रखती हो, चाहे वह हिन्दू की इबादतगाह हो, चाहे वह मुस्लिम की इबादतगाह हो, चाहे क्रिश्चियन की इबादतगाह हो। इबादतगाह के नाम पर बहुत अनर्थ हो चुका है, फरदर हम नहीं होने देंगे और इस मामले में हम कोई इजाजत किसी को नहीं देंगे। मैं समझता हूं कि केन्द्रीय सरकार ने इस सिलसिले में अपना कर्त्तव्य निभाया है और आगे भी अगर इस तरह का षडयंत्र रचा जाता है तो उसका मुकाबला करने के लिए हमें तैयार रहना चाहिए। ....(व्यवधान)...

इस तरह की बेतुकी कहानियां बनाना, मैं समझता हूं कि हमारे संघीय ढांचे के खिलाफ है। इस तरह की छोटी और छिछली बातें नहीं की जानी चाहिए और कोशिश यह करनी चाहिए। एक ऐसी सरकार, जो पूर्ण रूप से नैतिक सरकार नहीं है, संघीय ढांचे के हिसाब से कुछ केलकुलेट करके वह सरकार चल रही है, उसका इस तरह का आरोप लगाना उचित नहीं, लेकिन अगर वह कर्त्तव्य निर्वहन में कहीं फेल होगी तो, मैं समझता हूं, केन्द्रीय सरकार अपने दायित्व के निर्वहन में कभी भी नहीं हिचकेगी, कभी भी पीछे नहीं हटेगी। यह देश हमारा है, यह देश सबका देश है और इस देश को अब बटने नहीं दिया जाएगा। ...(व्यवधान)...

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** अगला, प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा। ...(व्यवधान)...

**श्रीमती कमला सिन्हा** (बिहार): सर, एक मिनट। ...(व्यवधान)...

**सैयद सिब्ते रज़ी:** और, मैं बधाई देना चाहूंगा राजेश पायलट साहब को, कि उन्होंने अपने कर्त्तव्य निर्वाह का पूरा पूरा सबूत दिया है। यह कहा गया कि उनके वहां जाने से बड़ी प्रतिक्रिया हो गई, वहां लोगों ने उनकी मुखालफत की, यह स्टेटमेंट के अंदर कहा गया है कि तमाम राजनैतिक पार्टियों ने हमारे गृहमंत्री के दौरे की मुखालफत की है। मैं पूछना चाहूंगा कि भारतीय जनता पार्टी के अलावा कौनसी ऐसी राजनैतिक पार्टी है, जिसने उनके जाने से कहा है कि वहां की जो शांति है वह भंग हो रही है। ...(व्यवधान)...

महोदय, वहां के जो इनके मुख्यमंत्री थे, उनको एक सुप्रीम कोर्ट से सजा हुई है। मैं समझता हूं कि चुल्लु भर पानी इनके डूब मरने का समय आ गया है। ऐसा भारत के इतिहास में कभी नहीं हुआ। ...(व्यवधान)...

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** सिब्ते रज़ी साहब। ...(व्यवधान)...

**सैयद सिब्ते रज़ी:** मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं और आशा करता हूं कि इसी जोश और जज्बे के साथ देश के संघीय ढांचे को बचाने के लिए केन्द्रीय सरकार अपने दायित्व का निर्वहन करती रहेगी।

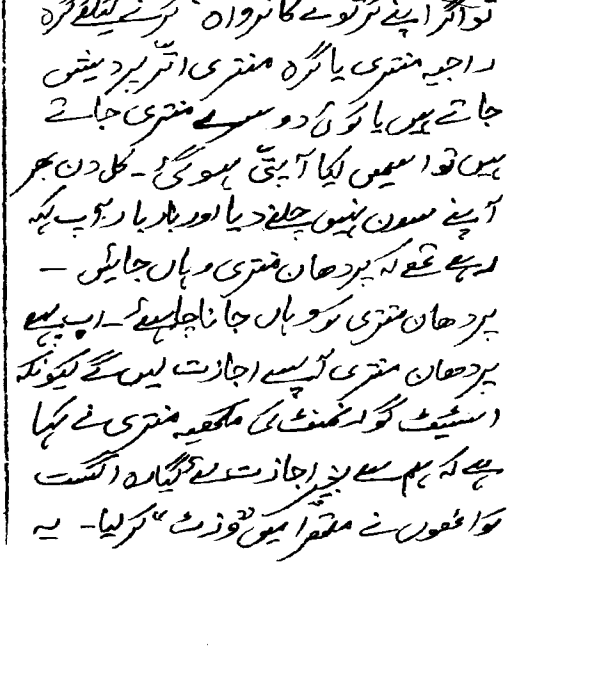

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

کیا ہو رہا ہے - یہ کون سے حلکے ہو گئے ہیں - یا تو آپکی جو صحت ہے وہ انکو خراب کر رہی ہے یا پھر انکی صحت آپکو خراب کر رہی ہے - یہ چیزیں ہو سکتی ہیں کہ آپ ایسی چھچھلی بات کریں "مداخلت" مہودے میں جاننا چاہونگا کہ ۶ دسمبر ۱۹۹۲ کے حادثے کے بعد کیا کیندریہ سرکار پھر دھوکہ کھائے - ایک بار ہم نے دھوکہ کھایا ہے - سمودھان کی ہم رکشا نہیں کر سکے ہیں - لیکن دوبارہ ہم دھوکہ نہیں کھا سکینگے - اس دیش کے اندر کوئی بھی عبادتگاہ ہو - کوئی بھی ہو اگر استعمال ہو سکے کسی بھی طرح کا "شڈینتر" رچایا جائے

یا اس دیش کو کھنڈت کرنے کا "شڈینتر" رچا جائے - سامپردائکتا کے نام پر - جاتی کے نام پر - دھرم کے نام پر - رنگ کے نام پر - نسل کے نام پر - چھوٹی جاتی کے نام پر - بڑی جاتی کے نام پر - اسے کیندر سرکار - ہماری کیندریہ سرکار جبتک ستتا میں رہیگی ہم کبھی برداشت نہیں کرینگے - ہم اس دیش کے اندر ہر اس عمارت کو بچا سکینگے جو کسی بھی فرقہ سے تعلق رکھتی ہو - کسی سمپردائے سے تعلق رکھتی ہو - چاہے وہ ہندوؤں کی عبادتگاہ ہو چاہے وہ مسلم کی عبادتگاہ ہو چاہے کرسچین کی عبادتگاہ ہو - عبادتگاہ کے نام پر بہت اتر گھو ہو چکا ہے - فرد ہم نہیں ہونے دینگے اور اس معاملے میں ہم کوئی اجازت کسی کو نہیں دینگے - میں سمجھتا ہوں کہ "کیندریہ سرکار" نے اس سلسلے میں اپنا کرتویہ "نبھایا ہے اور آگے بھی اس طرح کا "شڈینتر" رچا جاتا ہے تو اسکا مقابلہ کرنے کیلئے ہمیں تیار رہنا چاہیئے - ... "مداخلت" ...

اس طرح کی بے تکی کہانیاں بنانا میں سمجھتا ہوں کہ ہمارے "سنگھیئے" ڈھانچے کے خلاف ہے - اسطرح کی چھوٹی اور چھچھلی باتیں نہیں کرنی چاہیئے اور کوشش یہ کرنی

چاہیئے کہ ایک ایسی سرکار جو پوری روپ سے نیتک سرکار نہیں ہے - "سنگھیئے" ڈھانچے کے حساب سے کچھ "کیلکولیٹ" کر کے وہ سرکار چل رہی ہے - اسکا اسطرح کا "آروپ" لگانا "اچت" نہیں ہے - لیکن اگر وہ "کرتویہ نرواہن" میں نہیں فیل ہوگی تو میں سمجھتا ہوں کہ "کیندریہ سرکار" اپنے "دائتو کے نرواہ" میں کبھی بھی نہیں جھجکے گی - کبھی بھی پیچھے نہیں ہٹے گی - یہ دیش ہمارا ہے - یہ دیش سب کا دیش ہے اور اس دیش

تو آپ سننے نہیں دیا جائیگا ۔۔ "مداخلت" ۔۔

اپ سبھا ادھیکش شری سریش پچوری:

اگلا - پروفیسر وجے کمار ملہوترہ ۔۔۔

۔۔ "مداخلت" ۔۔۔

شریمتی کملا سنہا: سر - ایک منٹ

۔۔۔ "مداخلت" ۔۔۔

سید سبط رضی: اور میں بدھائی دینا چاہونگا شری راجیش پائلیٹ صاحب کو - کہ انھوں نے اپنے "کرتویہ نرواہ" کا پورا پورا ثبوت دیا ہے - یہ کہا گیا ہے کہ انکے وہاں جانے سے بڑی برتی کر دیا ہو گئے - وہاں لوگوں نے انکی مخالفت کی - یہ اسٹیٹمنٹ کے اندر کہا گیا کہ تمام راجنیتک پارٹیوں نے ہمارے گرہ منتری کے دورے کی مخالفت کی ہے - میں پوچھنا چاہونگا کہ بھارتیہ جنتا پارٹی کے علاوہ کونسی ایسی راجنیتک پارٹی ہے جسنے انکے جانے سے کہا ہے کہ وہاں کی جو شانتی ہے وہ بھنگ ہو رہی ہے ۔۔ "مداخلت" ۔۔۔

مہودے - وہاں کے جو انکے مکھیہ منتری تھے انکو ایک سپریم کورٹ سے سزا ہوئی ہے - میں سمجھتا ہوں کہ چلو بھر پانی میں انکے ڈوبنے کا سمے آ گیا ہے - ایسا بھارت کے اتہاس میں کبھی نہیں ہوا ۔۔ "مداخلت" ۔۔۔

اپ سبھا ادھیکش: سبط رضی صاحب

۔۔ "مداخلت" ۔۔۔

سید سبط رضی جیسی آپکا شکریہ ادا کرتا ہوں اور آشا کرتا ہوں کہ اسی جوش اور جذبے کے ساتھ دیش کے سنگٹھن کو بچانے کیلئے کیندریہ سرکار اپنی ڈائیکٹو کا نرواہ کرتی رہیگی۔

**श्रीमती कमला सिन्हा:** उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं अपने दल की ओर से और अपनी ओर से मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद के मुतल्लिक जो कुछ हुआ, केन्द्रीय सरकार ने जो कुछ किया है या प्रान्तीय सरकार, पहली दलित सरकार और मायावती ने जिस ढंग से, जिस कड़ाई से, जिस सख्ती से बी॰ जे॰ पी॰ ...(व्यवधान)...

**प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली):** बी॰ जे॰ पी॰ नहीं।

**श्रीमती कमला सिन्हा:** आई एम सॉरी, वी॰ एच॰ पी॰। वी॰ एच॰ पी॰ और बजरंग दल का जो वहां मन्सूबा था कि एक दफा बाबरी मस्जिद को गिराया और एक नया मसला खड़ा कर दिया देश के सामने, उसी तरह से एक मसला खड़ा करके, एक इलेक्शन ईश्यू खड़ा करने का जो धंधा चल रहा था, उसको जिस ढंग से रोका, हम उसकी तारीफ करते हैं, ताइद करते हैं और हम यह कहना चाहते हैं कि सरकार की अक्ल, आंख देर से खुली है, देर आये, दुरूस्त आए, लेकिन कम से कम आए तो। तो हम यह कहना चाहते हैं कि आइन्दा आप सचेत रहिए, आंख खोलकर रहिए, कहीं पर भी इस तरह की हरकत को नहीं होने दीजिए। अगर कड़ाई से आप कदम उठायेंगे तो हर सेकुलर पार्टी आपका समर्थन करेगी। धन्यवाद।

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा।

SHRI E. BALANANDAN (Kerala): Sir, please allow me for a minute.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I have already called him. *(Interruptions)* We have to complete the business. *(Interruptions)*

**प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:** आप तीन बार मुझे बुला चुके हैं ...**(व्यवधान)**... यह कोई तरीका तो नहीं है। इनका न नाम है, यह कैसे बोल सकते हैं? ...**(व्यवधान)**...चार बार पहले बोल चुके हैं, यह कोई तरीका नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

**श्री जनार्दन यादव:** एक, दो, तीन, चार, पांच, छः, कितने आदमी ऐसोसिएट करेंगे? हम लोगों को समय दिया हुआ है और एक-एक बात पर आप तीन-तीन, छः-छः बार ऐसोसिएट करेंगे तो कैसे चलेगा। ...**(व्यवधान)**...

**प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:** उपसभाध्यक्ष महोदय, ...**(व्यवधान)**...

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** एक मिनट के लिए।

**प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:** नहीं। आप कितनी बार अलाऊ करेंगे?

SHRI E. BALANANDAN: Just one minute.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Please complete in one minute. *(Interruptions)*

SHRI E. BALANANDAN: Mr. Vice-Chairman, Sir, in India, a big tension had been created. The Government of India and the people concerned have at least saved the situation. Whatever the Central Government has done in that is not a bad thing, according to us.

**प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:** उपसभाध्यक्ष महोदय, यह कनॉट प्लेस और कनॉट सर्कस ...**(व्यवधान)**...

SHRI RAJESH PILOT: They have charged me in person. They have charged the Government. Let me answer.

उपसभाध्यक्ष महोदय, बहुत से भाई, खास कर हमारे डा० मुरली मनोहर जोशी जी ने बात को बहुत फैलाकर कहा और शायद उनके पास जो कुछ खबर थी, उन्होंने वह सदन को बता दी, मेरा फर्ज़ बनता है कि वहां जो कुछ हालात गुजरे हैं, जो बात मेरी और मुख्य मंत्री के बीच में हुई है, मैं उसे सही रूप में हाउस में रखूं जिससे हाउस को पता चल सके कि हमने कहां तक अपना फर्ज़ निभाया है और कहां तक ये गलत सदन को बता रहे हैं। जिस दिन यह बात चली खबरों में, सारे देश में 7-8 तारीख के लगभग टेंशन बढ़ने लगी कि वी० एच० पी० की तरफ से नारे आने लगे हैं, बी० एच० पी० ने कुछ नई प्रतिक्रियाएं शुरू की हैं और कुछ नए कार्यक्रम बनाए हैं। वहां कभी परिक्रमा नहीं होती थी, परिक्रमा अनाउंस कर दी और जो शाही मस्जिद है उसके करीब, 300-500 गज के करीब इन्होंने यज्ञ की योजना बना ली। तो यू० पी० सरकार ने हमें चिट्ठी लिखी और कहा कि हमें पैरा-मिलिट्री फोर्सिज़ की जरूरत है और हमें 30 कम्पनी पैरा-मिलिट्री फोर्सिज़ की चाहिए, इसके लिए गृह मंत्रालय को उन्होंने चिट्ठी लिखी। मैंने उन्हें टेलीफोन किया, मैंने कहा कि बहन जी, आपने इतनी कम्पनी मांगी है, क्या बात है? उन्होंने कहा कि मुझे लॉ एंड ऑर्डर के लिए 30 कम्पनी मथुरा में चाहिये। हमने अपने डिपार्टमेंट में, होम मिनिस्ट्री में एक नया सिस्टम चलाया है कि जब कोई प्रदेश किसी पैरा-मिलिट्री फोर्स की कम्पनी मांगे तो लिखकर बताए कि किसलिए मांग रहे हैं। यह बिल्कुल कोई ऐसे स्टॉक मार्किट नहीं है कि 40 भेज दो, 20 भेज दो, हमें टास्क भी दें कि हमारी फोर्सिज़ का टॉस्क क्या है? हमारी फोर्सिज़ वहां जाएं, उस काम को करके आएं तो एकाउंटेबिलिटी हमारी फोर्सिज़ की भी रहे। सी० आर० पी० जाए और रॉयट्स कन्ट्रोल नहीं हो तो मैं अपनी सी० आर० पी० से पूछ सकूं कि आपने किया क्या है? तो उन्होंने हमें टास्क बताया कि हमारा टास्क है 30 कम्पनी, मथुरा में हमें ऐसे-ऐसे शंका है इन लोगों से और उन्होंने उसी दिन शाम को बयान भी दिया कि मैं कोई शरारत नहीं होने दूंगी, वी० एच० पी० को मेरी खुली चेतावनी है और अगर ये अपनी पर आयेंगे तो मैं सख्त कदम उठाऊंगी। उसके बाद जब उन्होंने बयान दिया, तो हमने कहा कि 30 कम्पनी हम भेज देंगे। उस वक्त जब 30 कम्पनी जा रही थी, सारा सदन इस बात को मानेगा कि वी०एच०पी० कैंडीडेट भी बी०जे०पी० के टिकट से लड़े हैं।...**(व्यवधान)** आज जो वी०एच०पी० के मेंबर हैं वह बी०जे०पी० के टिकट पर जीतकर आए हैं।...**(व्यवधान)** वी०एच०पी०, बजरंग दल उन्होंने सिम्बल वी०एच०पी० का यूज किया है। उपसभाध्यक्ष जी, मुझे शक एक बात से हो रहा था, आज से 8 महीने की बात है। हमारे साथी वहां से खड़े होकर हम पर गालियां देते थे कि वी०एस०पी० के नारे क्या होते थे—

"तिलक, तराजू और तलवार,
इनको दो जूते चार।"

यह यहीं के रिकार्ड पर है। लोक सभा में और यहां पर यह नारे लगाते थे कि कैसे सरकार चल रही है,

खुलेआम बिरादरीवाद फैलाया जा रहा है और यही कर रहे हैं। वह दूसरी बात है कि इनकी सौबत में नारा बदल गया—

"तिलक, तराजू और तलवार,
इनको करो नमस्कार बार-बार।"

यह तो मुझे खुशी है कि इन्होंने नारा बदला। लेकिन हमें शक इस बात पर हुआ कि जब वी०एच०पी० के ऑफिशियल जनरल सैक्रेटरी वहां खड़े हुए हैं और मथुरा में जो आदमी इकट्ठे थे, उन्होंने एक नारा दिया। 10 तारीख को यह कहा—

"अयोध्या लिया लटके से,
मथुरा लेंगे झटके से।"

इसका खूब प्रचार हुआ। फिर सरकार चुप नहीं रह सकती...**(व्यवधान)**

**प्रो० विजय कुमार मल्होत्राः** ...**(व्यवधान)** ऐसा कोई नारा नहीं लगाया...**(व्यवधान)**

**श्री राजेश पायलटः** जब उन्होंने यह नारा दिया, यही नहीं यज्ञ होने के बाद उन्होंने यह कहा—

"अयोध्या हमारी है, मथुरा की बारी है।"

उपसभाध्यक्ष महोदय, माफ करेंगे, यह देश और झटके नहीं सहन कर सकता। इस देश ने 6 दिसम्बर, 92 का झटका बड़ी मुश्किल से रोक रखा है। उस झटके ने देश को हिला दिया है, दुनियां में देश की इज्जत को हिला दिया है। पार्लियामेंट में बयान, सुप्रीम कोर्ट में बयान, चीफ मिनिस्टर का हर जगह बयान और उसके बाद इन्होंने ऐसा किया। तो मैंने उस दिन सबसे पहले सरकार की तरफ से बयान दिया था कि हम राज्य सरकार की पूरी मदद करेंगे।

लेकिन कड़ी नजर रखेंगे कि ऐसी स्थिति न आ जाए कि जहां पर हमको देश के झटके को दोबारा सहन करना पड़े। मैं रोज मुख्य मंत्री से बात करता रहा। बड़े भाई साहब, और बहन जी की बात होती थी। पूछा कि—भाई साहब, कम्पनी पहुंच गई? मैंने कहा कि चल दी है, पहुंच जाएंगी। बड़ा अच्छा इंतजाम हो रहा है। मुझसे कभी उन्होंने ऐसी शिकायत नहीं की कि ऐसी बात क्यों हो रही है। उन्होंने डी०जी० चेंज किया। तो मैंने उनसे कहा कि जब मैं मथुरा गया था, मैं सारे अधिकारी साथ ले गया और यू०पी० के अधिकारियों के साथ बैठकर एक कोआर्डिनेटेड स्कीम बनाई थी, जो हर प्रदेश में करते हैं, जहां कोई टास्क मिलता है, अगर सीरियस टॉस्क हो, चाहे नागालैंड हो, चाहे आसाम हो, चाहे पंजाब हो, चाहें कहीं का जहां सीरियस है, देश में जहां ऐसा नाजुक मोड़ है वहां पर सारे अफसरों की मीटिंग तथा कोआर्डिनेशन करते हैं ताकि कम्युनिकेशन गैप न रहे। तो जब मीटिंग हुई और डी०जी० चेंज हुआ तो उनका मुझे टेलीफोन आया कि मैंने डी०जी० बदल दिया है, मुझे ऐसी उम्मीद थी कि कोई गलत काम हो जाएगा। नया डी०जी० आ रहा है। यह मथुरा होकर आपके पास में आएगा तथा रिपोर्ट करके आपको ब्रीफ कर देगा। तो इतनी कोआर्डिनेशन हम बराबर करते रहे। मैं हमेशा कहता रहा कि लॉ एंड आर्डर स्टेट का सब्जेक्ट है, हम पूरी मदद करेंगे, लेकिन कड़ी नजर हम रखेंगे। कोई ऐसा काम नहीं होने देंगे जिससे देश को पछताना पड़े और यह हमारा फर्ज है और हमने कोशिश भी की। हमने कोई ऐसा कदम नहीं उठाया जहां राज्य सरकार के काम में दखल दी हो या उनके हक में दखल दी हो। एक बात जरूर आई, जो ऑनरेबिल मेंबर जोशी जी ने उठाई है। जब यह बात चल रही थी तो हमने 6 दिसम्बर, 92 का पूरा रिकार्ड पढ़ा कि प्रक्रिया क्या हुई थी, कार्य प्रणाली कैसे फेल हुई, कहां नहीं चल पाई। मैंने अधिकारियों से पूछा। उनमें से कुछ अधिकारी ऐसे थे जो 6 दिसम्बर, 1992 के हालात को भी देख चुके थे। उन्होंने यह कहा कि साहब, अगर ऐसी हालत होती है तो एक स्पेशल मजिस्ट्रेट की पॉवर्स हों। तो डी०जी०, सी०आर०पी०एफ० ने कहा कि उनको ऑटोमेटिकली भी होती हैं। यह जिक्र आपस में आया। वह मैंने अफसरों पर छोड़ दिया, चीफ सैक्रेटरी और होम सैक्रेटरी और अफसर आपस में बातें करलें। मैंने एक डैमोक्रेटिक इलेक्टेड रिप्रजेंटेटिव होने के नाते सिर्फ यह आदेश दिए कि किसी हालत में भी ऐसी घटना न घटे जिससे देश को पछताना पड़े। जहां तक इन्होंने सी०आर०पी०एफ० के जवानों की बात की कि कुछ सी०आर०पी०एफ० के जवान सिविल में गए और उन्होंने कहा कि हम देखें मस्जिद को कैसे रोक लेंगे। यह सरासर गलत है। सच्चाई यह है, हमने यह प्लान बनाया था कि यूनिफॉर्म के साथ-साथ सिविल में भी हमारे आदमी हों कि अगर किसी वजह से कोई गड़बड़ करने लगे तो सिविल की इंफार्मेशन भी हम पर आती रहे। जहां एक लाख की या डेढ़ लाख की भीड़ आती हो, वहां पर ऐसे इंतजाम के तौर से करने पड़ते है। विजय मल्होत्रा जी, कल को आप मेरी जगह बैठे हों तो मुझसे भी दोगुना करेंगे और सिविल में ज्यादा भेजेंगे जिससे इंफार्मेशन आती रहे। तो यह इंतजाम हमने किया। जो आज चिल्ला रहे थे कि उन्होंने सिविल में किया...**(व्यवधान)**

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी** (उत्तर प्रदेश): दो पुलिस फोर्स को लड़ाने के लिए ....**(व्यवधान)**

**श्री राजेश पायलटः** नहीं, दो पुलिस फोर्स को लड़ाने का नहीं था। ...**(व्यवधान)** आप होम सैक्रेटरी रह चुके है। ...**(व्यवधान)**

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदीः** इसी वजह से मेरा मुंह बंद है, वरना तो बहुत बातें कह सकता हूं ...**(व्यवधान)** कंस्टीट्यूशन का किस तरह से मिस-यूज करते रहे, बहुत सी बातें बताई जा सकती हैं।

**श्री राजेश पायलटः** उपसभाध्यक्ष महोदय, यह तय हो गया था कि सी॰आर॰पी॰एफ॰ का रोल साफ-साफ तौर पर स्टेट गवर्नमेंट ने दे दिया था। सी॰आर॰पी॰ की ऐलोकेशन स्टेट गवर्नमेंट करती थी कि यहां-यहां पर सी॰आर॰पी॰ रहेगी, यहां पर लोकल पुलिस रहेगी। यह सब कुछ अफसरों ने आपस में बैठकर तय कर लिया था और मुख्य मंत्री जी ने मुझे टेलीफोन पर बताया कि मैं इससे बिलकुल सहमत हूं और मैं चाहती हूं कि सी॰आर॰पी॰ अंदर रहे। उन्होंने टेलीफोन पर मुझसे कहा कि में चाहती हूं कि पैरा मिलिटरी फोर्स मस्जिद और मंदिर, दोनों में अंदर ये फोर्सेज हैं तो मैं इस सदन को यह विश्वास ...**(व्यवधान)**

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर** (उत्तर प्रदेश): उनका चार्ज....**(व्यवधान)**...

**श्री राजेश पायलटः** माथुर जी, मुझे कहने दो, आपने बहुत कह लिया। मैं इस सदन को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जो राज्य सरकार की मर्ज़ी के खिलाफ हो....**(व्यवधान)**... राज्य सरकार के अधिकारों में हस्तक्षेप करता हो। हमने बिलकुल कोऑर्डिनेशन करके काम किया। यह ज़रूर है कि अब की बार हमने नज़र खुली रखी और विश्वास नहीं किया क्योंकि कुछ पता नहीं, वी॰एच॰पी॰ कब बी॰जे॰पी॰ हो जाए, कब बी॰एच॰पी॰ हो जाए। ...**(व्यवधान)**...

तीसरा, सबसे बड़े दुख की बात उपसभाध्यक्ष महोदय यह है ...**(व्यवधान)**...

**श्री जगदीश प्रसाद माथुरः** क्या मुख्य मंत्री झूठा बयान दे रही हैं? आपके कहने का तो अर्थ यह है कि मुख्य मंत्री झूठा बयान दे रही हैं। उन्होंने आरोप आप पर लगाया है कि राजेश पायलट केन्द्र सरकार के अधीन लाना चाहते थे। इसका मतलब है कि आप यह कह रहे हैं कि उनका बयान बिलकुल झूठा है?

**श्री राजेश पायलटः** माथुर जी, जवाब दे रहा हूं...**(व्यवधान)**...

**श्री जगदीश प्रसाद माथुरः** 355 के अंदर, आपने खुद ही कहा है कि 355 के अधीन अधिकारियों को छोड़ दिया था। ...**(व्यवधान)**... आप ज़रा बताइए कि कौन से आधार पर यह ...**(व्यवधान)**...

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी)**: माथुर जी...

**श्री जगदीश प्रसाद माथुरः** 355 के अधीन आपने अधिकारियों को छोड़ दिया था?

As to how were you satisfied?

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी)**: माथुर जी...

**श्री जगदीश प्रसाद माथुरः** आप इस बात से संतुष्ट थे?...**(व्यवधान)**...ज़रा बताइए।

**श्री राजेश पायलटः** उपसभाध्यक्ष महोदय... महोदय ....**(व्यवधान)**...उपसभाध्यक्ष महोदय...**(व्यवधान)**...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: How long will it take? Other States also exist.

**श्री मोहम्मद सलीम** (पश्चिमी बंगाल): इस बहस में भी हिस्सा लेंगे, यह कैसे हो सकता है? ...**(व्यवधान)**...

[شری محمد سلیم : اس بحث میں بھی حصہ
لیں گے یہ کیسے ہو سکتا ہے ..."مداخلت"...]

**श्री जगदीश प्रसाद माथुरः** सब कुछ हो सकता है लड़ाई में। ...**(व्यवधान)**...

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): This is an allegation against the Minister?

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी)**: प्लीज़ ... प्लीज़ ...

**श्री राजेश पायलटः** उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं सारे इतिहास में नहीं जाना चाहता लेकिन मैं माथुर साहब...**(व्यवधान)**...

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी)**: माथुर जी, मिनिस्टर को अपनी बात कहने दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

SHRI V. NARAYANASAMY: Without hearing the Minister, why are you making a noise?

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर:** ये खुल्लम-खुल्ला आरोप लगा रहे हैं कि मुख्य मंत्री उत्तर प्रदेश का बयान झूठा है। इसका अर्थ यह है कि सदन में आप गलत बोल रहे हैं।

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** आप मिनिस्टर को तो अपनी बात कहने दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर:** लगाया है, आप पर भी आरोप लगाया है ...**(व्यवधान)**... यह खुल्लम-खुल्ला बयान है। ...**(व्यवधान)**...

**श्री राजेश पायलट:** अरे बैठो तो सही। ...**(व्यवधान)**...

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी:** कोऑर्डिनेशन का कॉन्सेप्ट अच्छा है ...**(व्यवधान)**... आपका कोऑर्डिनेशन का कॉन्सेप्ट बहुत अच्छा है। ...**(व्यवधान)**...

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** आप बैठिए। Let him finish.

SHRI V.P. DORAISAMY (Tamil Nadu): Sir, the time is 1.45.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Please be seated. ...(*interruptions*)... I am requesting you to sit down.

**जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर):** एक बात है, मिस्टर चतुर्वेदी एक्स-होम सेक्रेटरी भी रह चुके हैं और आॅडिटर जनरल भी रह चुके हैं और लाल किले में काली टोपी पहनकर, निकर भी पहनकर खड़े देखे गए थे। इस देश का क्या होगा?...**(व्यवधान)**....

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: What is wrong in it?

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** मंत्री जी, आपने खत्म कर लिया?

**श्री राजेश पायलट:** संक्षेप में उपसभाध्यक्ष जी...**(व्यवधान)**...

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी:** मैं हमेशा आदाब करता हूं इसका मतलब यह नहीं है कि मैंने कोई चर्म बदल दिया और यह बिलकुल गलत है कि मैं काली टोपी या निकर पहने हुए वहां पर बैठा हुआ था। हज़ारों लोगों ने देखा है, फोटो हैं और जो यह कह रहे हैं, वह बिलकुल गलत है। टाइटलर साहब क्या करते थे जब ये स्टुडेंट लीडर थे और...**(व्यवधान)**...

और उसके बाद भी ये क्या करते रहे हैं? किस तरह से अधिकारियों से...किस तरह से अधिकारियों से ये पैसे वसूल करते रहे थे? ...**(व्यवधान)**...

किस तरह से इन्होंने सन् 84 में, सन् 84 के राइट्स में...**(व्यवधान)**...

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, as Home Secretary, he was a failure.

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** प्लीज़...प्लीज़ ...चतुर्वेदी जी।...**(व्यवधान)**...

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी:** नहीं, नहीं, यह प्रिविलेज का सवाल है। वैसे मैं काली टोपी को ...**(व्यवधान)**...आदर का सूचक समझता हूं। ...**(व्यवधान)**...

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** आप बैठिए। Nothing will go on record.

**श्री राजेश पायलट:** उपसभाध्यक्ष महोदय ...**(व्यवधान)**...

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी***

SHRI MD. SALIM (West Bengal):

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी***

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** चतुर्वेदी जी, आप प्लीज़ बैठिए।...**(व्यवधान)**...

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी***

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Nothing will go on record.

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी**

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** आप बोलेंगे ...**(interruptions)**... It will not go on record.

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी***

**श्री राजेश पायलट:** उपसभाध्यक्ष महोदय...**(व्यवधान)**...

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी***

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** चतुर्वेदी जी...

*Not recorded.

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी** *

**श्री जगदीश टाइटलर:***

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी:***

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर:***

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी:***

**श्री जगदीश टाइटलर:***

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी:***

**श्री जगदीश टाइटलर:***

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी:***

SHRI V. NARAYANASAMY:*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): All of you, please sit down. Nothing will go on record.

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी:***

SHRI V. NARAYANASAMY:*

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी:***

SHRI V. NARAYANASAMY:*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN* (Tamil Nadu):

SHRI V. NARAYANASAMY:*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Mr. Narayanasamy, please be seated. (*Interruptions*).... Nothing will go on record. (*Interruptions*)...

SHRI V. NARAYANASAMY:

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी:***

**श्री जगदीश टाइटलर:***

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी:***

**श्री जगदीश टाइटलर:***

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): All of you please be seated. (*Interruptions*) ... Please be seated. Yes, Minister.

*Not recorded.

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर:** गलतफहमी यह हुई कि टाइटलर जी ने यह कहा यह काली टोपी लगाकर तब जाते थे जब यह होम सेक्रेटरी थे...**(व्यवधान)**

**श्री जगदीश टाइटलर:** यह मैंने नहीं कहा। **(व्यवधान)** मैंने कहा कि ऐसा इंसान जो होम सेक्रेटरी रह चुका हो वह काली टोपी और निकर में दिखाई दिया। **(व्यवधान)**

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी:** मैं काली टोपी या कोई निकर पहन कर किसी फंक्शन में नहीं गया। **(व्यवधान)** मैं यह कहना चाहता हूं कि यह गलत तरीके से रिप्रेजेन्ट कर रहे हैं। यह अपने शब्द वापस ले लें कि मैंने यह गलत कहा। इसको स्पष्ट कर दें। **(व्यवधान)**

**श्री जगदीश टाइटलर:** मैं अपनी बात वापस लेता हूं। **(व्यवधान)** आरएसएस के लोग निकर और पैंट में खड़े थे...**(व्यवधान)**

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी:** मैं पैंट में भी नहीं खड़ा था। **(व्यवधान)**

**उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी):** इन्होंने अपनी बात वापस ले ली। **(व्यवधान)**

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी:** मुझे यह कहना पड़ेगा कि सन् 1984 के दंगों में जो क्रिमिनल्स थे **(व्यवधान)** बेलाडीला के मामले में जैसे संतोष मोहन देव बोल रहे हैं अगर हम ने बोलना शुरू कर दिया तो असम...**(व्यवधान)**

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर:** मैं यह अर्ज कर रहा हूं कि यह बात समाप्त कर देनी चाहिए क्योंकि टाइटलर जी ने कह दिया। **(व्यवधान)** उन्होंने यह नहीं कहा कि जब होम सेक्रेटरी थे, उन्होंने बाद की बात कही। इसलिए इस बात को यहीं समाप्त कर दिया जाए। **(व्यवधान)**

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, we don't want to have any explanation from Mr. Mathur. There are other issues also. There are many States in the country. (*Interruptions*).

**श्री राजेश पायलट:** मैं बहुत विनम्रतापूर्वक अपने सदस्य भाइयों को और बहनों को विश्वास दिलाना चाहूंगा कि जो कुछ भी हमने मदद की राज्य सरकार की इस भावना से की कि ऐसी कोई घटना न घटे जहां हम सब को अफसोस जाहिर करना पड़े और उसके साथ अगर

माननीय सदस्यों को याद हो तो दोनों हाउसेज से एक्ट पास हुआ था कि 15 अगस्त, 47 से पहले जितने भी हमारे शाइन्स हैं जिनकी जो ओरीजनल पोजिशन है केन्द्रीय सरकार उन्हें मैन्टेन करेगी। यह हमने वायदा सारे देश को दे रखा है। यह भी हमारा एक फर्ज बनता है कि जो हाउसेज से पास करें उसको इम्पलीमेंट ठीक तरीके से करा दें। **(व्यवधान)**

**प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा** (दिल्ली): आप गवर्नमेंट को गिराना चाहते थे या नहीं गिराना चाहते थे? **(व्यवधान)** गवर्नमेंट को गिराने का एट्मोसफीयर पैदा कर दिया था। **(व्यवधान)**

SHRI RAJESH PILOT: Let me assure the House...(*Interruptions*). I would like to assure the House that the Government will leave no stone unturned and will not allow any such force which can damage the secular fabric of the country...(*Interruptions*). There can be charges against the Government. But, the Government is not bothered about the charges. The Government is committed to this role and it will fulfil this role. All the communal forces will be rooted out from the country. This is the commitment of the Government. There is no doubt about it. Thank you.

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर:** आपके ऊपर मुख्य मंत्री ने आरोप लगाया हुआ है आप उसका जवाब दीजिए। **(व्यवधान)** जो मुख्य मंत्री ने आरोप लगाया था उसका जवाब आपके पास नहीं है। **(व्यवधान)**

---

## RE: CHANGE IN NAMES OF CONNAUGHT PLACE AND CONNAUGHT CIRCUS.

**प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा** (दिल्ली): उपसभाध्यक्ष महोदय, अचानक एक दिन सुबह यह पढ़ कर हमें बड़ा आश्चर्य हुआ कि कनाट प्लेस और कनाट सर्कस का नाम बदल कर राजीव चौक और इन्दिरागांधी चौक कर दिया गया। इस सवाल के दो पक्ष हैं... **(व्यवधान)**

**[उपसभाध्यक्ष (श्री वी॰ नारायणसामी) पीठासीन हुए]**

2 P.M.

एक तो यह है कि नाम बदलने का अधिकार किसको है? होम मिनिस्टर साहब ने जो यह नाम बदला तो होम मिनिस्टर साहब को यह पावर किसने दी कि वह कनाट प्लेस का नाम बदल दें? यह पावर होम मिनिस्ट्री के पास कैसे आयी ? उपसभाध्यक्ष महोदय, न्यू दिल्ली म्युनिस्पल कमेटी का जो ऐक्ट बना है, जिसको इस हाउस ने पास किया है, उसमें यह लिखा हुआ है : "The Chairperson of the New Delhi Municipal Council may, with the sanction of the Council, determine the name or number by which any street or public place vested in the Council shall be known."

यह अधिकार सिर्फ न्यू दिल्ली म्युनिस्पल कौंसिल को था और है। उसमें आगे लिखा गया है कि : No person shall destroy, remove, deface in any way or injure or alter any such name.

इस तरह जो नाम न्यू दिल्ली म्युनिस्पल कमेटी ने रखे हैं उनको बदलने का अधिकार किसी व्यक्ति को नहीं है। चेंज करना था तो न्यू दिल्ली म्युनिस्पल कौंसिल ही चेंज कर सकती थी। इसके आखिर में लिखा गया है कि अगर कोई व्यक्ति ऐसा करे तो उसको ये जुर्माना हो सकता है। होम मिनिस्टर साहेब को अगर 50 रुपया का जुर्माना, तो उन्होंने यह किया, तो इसके आधार पर वे कन्विक्ट हो सकते हैं और कन्विक्शन के बाद वे होम मिनिस्टर रहेंगे या नहीं रहेंगे, यह मुझे मालूम नहीं। उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि होम मिनिस्टर साहब को कोई अधिकार नहीं था। यह ला आफ जंगल नहीं है। हिन्दुस्तान के अंदर कानून का राज चलता है। इस बारे में अभी तक न्यू दिल्ली म्युनिस्पल कौंसिल ने कोई रेजोल्यूशन पास नहीं किया, नाम चेंज नहीं किया। सिवाय उसके कोई दूसरा नाम चेंज भी नहीं कर सकता। उपसभाध्यक्ष, यह जो बहाना ले रहे हैं, यहां पर जो जयकृष्ण साहब का लेटर आया है, उससे पहले मैं होम मिनिस्ट्री ने जो चिट्ठी दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी को लिखी, दिल्ली कारपोरेशन को लिखी, न्यू दिल्ली म्युनिस्पल कमेटी को लिखी, उसको मैं रेफर करना चाहता हूं। यह लेटर 1976 में लिखा गया है। इसमें लिखा है कि : The question of renaming of streets, roads, etc ... *(Interruptions)* ...

SHRIMATI JAYANTHI NATRAJAN